

१ॐ नमः ४ गा कृ मून ॥ या वा जि का कं ॥ श्री ग ग वानू वा च ॥ ला का वा र्ण प्र व का मि स खाना श्र हि गान व । य न स श्रः
 य ग नि र्ण, रु कि मू कि रु ल म् व ग ॥ ॥ रु मं श्र श्री ४ ला क या, व व रु न र्ण, ऊ न द्वा य द्वा य धा व सा, ला क या र्ण, क ल्या न
 या य या ग न, सू ना न, ध या ना जि को स द्वा या धा, व न व य व सा, रु कि ना, मू कि ना वा यी व ॥ ॥ सू था ग व र्ण, व य दं द
 व, सू द्र आ ल्मा या द्वा व, यू र्वे द्र स्त्र या द्वा, शि न कं (श्र द्वा व, ध म जा गा व र्ण द या, ध व (गा रु र्ण, डा र्ण द व या जा य या य, श्र
 गु या य ॥ ॥ ऊ र्ण श्र गु धू न का व, जि गा र्ण ग, न्या स या य, धू न द्वा व, न ग व न पि रु र्ण, व न्य, द्वा श्रि ध रु र्ण, वा क र्ण ध रु र्ण, ग ना

वाला इका

लखदगं, अनीयिरुचान्ध ॥ ॥ ब्राह्मणवाययार्ग, वाकाय, वर्ण्यारुदन, वन्द, वाक्कल, शिद्ध, धर्मस, नायीववाकाय, ना
जाया, कादूवाकाय, थक्कलया, ॐयवाकाय, गूदयाकादूवाकाय, थर्ध, वर्ण्यारुदनवाकाय ॥ वावाययार्ग, दन्क काष्ठ
काय ॥ बुद्धजागयार्ग, वाजायार्ग, थक्कलया, गूदयार्ग, आग्यजाग्य, वाकायाव, वाकाय, मगवथायधर्म, धर्म
स, मगव, धवयाथायसंमगव, धैयसवावसं, सनीयसंमगव, मगानसंमगव, अगिमशिवसंमगव, धर्मथायसं
सं, वाकायमगव, खिरुयमगव, विणयण, गौ० संमगव, नलिदसंमगव, लासंमगव, मधुयसंमगव, यत्तपूर्व

गंमगव ॥ दन्ककाष्ठसि, दूदुधायसा, दूदुखाकसि, दूवीलसि, खयलसि, अंम्यसि, वूलसि, अर्कसि, आयामाग्नेसि, क
दम्बसि, धर्मसि, दन्ककाष्ठमगव, धर्मगामदगसा, निखलअगवूर्णमगव, सिवादगसा, व्यार्गुलीहाचकयमाण
धर्मगामदगसा, धर्मगामसिरोहवण, वायानसूचि, इव, धर्मदन्ककाष्ठकायजाग्य ॥ यिरुचान, यलिमानक्का
य, सुमिस, जाललायाव, गामालसगय, नानमवाय, ॐगानकालाकसाय, खिरुथर्मा, वाकाथर्मा, ॐगानः
कावाकसाय, दूगुदियकण, थथदव, सूर्यवृमुर्न, पूर्वसाय, वाक्किजाकुर्न, उगलसाय, गानियिलवा, वाक्क

सदा, दक्षिणशाय ॥ मर्लं मूर्धं, धूनकाव, शुचिथाय, द्वायां लिखन शुचिथाय, लिथीयानवाय शुचि ॥ यावन्तु ॥
 थ्यं ड थ्यं, मर्लं, नामदस्यर्भा, मर्लं, ग थ्यं ला रुग मर्लं, अ थ्यं, स्वाभर्भा, लिगर्भा मर्लं ॥ स्वधाल ३ दाधाल ३ क्रसधाल ७
 वानवायाव, वायधूनकाव, धनकुन्नि, नासियथयीव, गृहसूयनिस, धनस, सूविधर्ग, विगणमणधलकया २
 थ (थ्यं) ॥ शुचिथाय, धलकया, दूगणन, ग्राम (ण) लकया, ग्राम (ण) वकया दूगणन, शिद्धया, लाहान, कुनि, सिया
 व, कृत्त, खाल, धिस्यं, नासियनयीव, आत्मागी (थ्यं) न, सदासूचिहर्ल ॥ सदाव, यचिमया, यानन, नासियसा ॥

यान, नासिया थ्यं, ड थ्यं, नासियग थ्यं धावसा, यचिमया, यानरुल, धवयागा, थालावा, द्वायावा, अकलन
 काल, धिगुलाकयागं, दूनाया, दधून, धमनासिय, धवजायास, नासिय, कुनिसिय, लाहानसिय, वगलिनाय,
 सारुन्या, गाभालणमथास्यं, शुचिहर्ल ॥ ॐ विगुचिकर्म, यात्राजिक्कासक्काया ॥ ॥ शिद्धयनिस, ध्याननस्नान, ग्राम
 (ण) वकया, मनुन, स्नान, धलकया, लिखनस्नान, विगणमन, वाक्कनया, लिखनस्नान ॥ गलीलस, धाव, गुध्यावद
 व, कृत्त धावसा, मिखानिगुचि, द्वासनिधाय, द्वास्थानिधाय, कृत्त धाल, मार्गकृत्त धाल, मूर्गकृत्त धाल, सकलन, गुध्या
 लन, मेवद्विधधाय, दूर्गेधधाय, नाधाव, शिथा, धनगुधानसं, अयविगुधव, कृत्त धावसा, धावि, द्वा, क्रसथा ३

खयिल, खि, था, धर्यं शुद्धयायन, सदां स्नानयायमाल, शुद्धयुरुर्वी ॥ द्वायां लखनस्नान, लिथी, मनुनस्नान, लिथी
ध्याननस्नान, लिथी लज्जाननधूमा ॥ यावत् स्नानयास्यं निर्या, मया, धवगि, गिमसि र्य, धवस्की लखकाय, अस्नान
न, गिसि र्यलि, धवस्क, लखकालसा, स्नानया दानि स्फूर्त् ॥ श्रीरगवान्, गाकूमनिष्ठवाच, रुवासिष्ठगिष्ठसि ॥ वा ३
सिष्ठठवाच ॥ वासिष्ठन, गाकूमनियार्क, धूवकली, रुगोगम, रागवगोष्ठलथावस, आधन, धूवाण, समस्की, धन
धूना, रुनी, थाधधर्मोयार्य, धनवाच्छ, जन ॥ श्रीरगवानूवाच ॥ गृधूवासिष्ठवामि, आचार्यचविधानकी, शुशाः

शुशविणधल, सर्वभवसमाशग ॥ गाकूमनिन, आधनदयकर्त, रुवागिष्ठ, चवचयनी, विधाननी, सीरुनी, मशिठनी
समस्की, समासन, जनक्याय, रुनठठा ॥ रुद्विजसर्कम, द्वायां स्नानविधिनी, जलदाननी, नीर्थसनी, समस्की, विधान
याकन, क्लाय ॥ ॥ उं वं कावात्यर्त्तं शुद्धस्फुटिकवर्त्त, रीर्ववकायकहुं र्गिदिरावा ॥ ॥ धनजलरावना, धन
धीर्षधरुन, रुगिर्षधरुन, लखसाधनमनु ॥ अथवा, धार्थीनव ॥ ॥ उं अमृगजलहुं ॥ लखगोधनमनु ॥ उं यथा
रुिर्जगताग्रिनस्नायिनासर्वगथागगासु धारु, स्नाययि आमिसुद्धदिवानवानि ॥ उं अ ४ सर्वगथागगाशिषकसमथ

ॐ ॥ स्नानमनु ॥ धनवर्धनशत्रु, गारुडवर्धनशत्रु, हनिशत्रु, भालसत्रु ॥ ॥ उंकायविश्वधनखाहा ॥ क्रीसियम
नु ॥ ॥ उंकींजुमृगंजीवगञ्जुखाहा ॥ नासिय ॥ धनजुंगन्यास ॥ उंरु४, नगल ॥ नमहि, कयाल ॥ खाहाहं, वसीयालस ॥ ॥
वांमदूह, वाहूनिगुलिसी ॥ हंरुंरु४, मिखानिग्वलसी ॥ रुदूरुदूहं, सर्वोंग, नूग्वलस ॥ ॥ रुनींथलयावाहाधन, न्या ४
सयाय ॥ उंवं, र्मेरुस ॥ जांथां, नूग्वलस ॥ कींभां, कूधस ॥ ऊंकीं, कयालस ॥ हंरुं, वसीयालस ॥ रुदूरुदूहं, सर्वोंग, नूग्व
लस ॥ ॥ धवगिनीमसिसी, धवस्क, लीखराल ॥ उंयुत्रुथानम४ ॥ धमशात्रयकाधवसी, धूनकाव, यिगुलाकयार्गः

धवगिया, गिनन्या ॥ ॐ गिस्नानविधि ॥ ॥ वाठविय, कयालंगव १, स्वथालंगव २, कूस्थालंगव ३ ॥ उंसमन्कायत्रीकाशुः
द्ववत्रंश्वत्रंश्वत्ररु ॥ धमनुन, क्रासिय ॥ जवजुंगुलीन्याग ॥ खवजुंगुलीन्यास ॥ लारुगं, लारुगकाय ॥ कयालसधि
य ॥ कनू०सधीय ॥ नूगलसधीय ॥ रारुसधीय ॥ गुगिस्धीय ॥ भाजसधीय ॥ मीखासधीय ॥ कूस्थानसधीय ॥ क्रासस
धीय ॥ कूधूसधीय ॥ नूगलसधीय ॥ रारुसधीय ॥ समस्कसीधीय ॥ जववाहासधीय ॥ खववाहासधीय ॥ कूधूसधीय ॥
नूगलसधीय ॥ जवयू०सधीय ॥ खवयू०सधीय ॥ ॐ गिन्यागविधि ॥ ॥ नित्यकलमया, आसन, क्राय ॥ ॥ धलनिः

दलितश्चैव यावानवाधिभवत् । उत्तमकवलशिक्षया, यगुक्तायिविनिस्कृतं ॥ वासथाकाव नित्यकर्मयोगसाः
 नासनशयिव ॥ लाहसथाकाव नित्यकर्मयोगसा, लागिशयिव ॥ सुखलि, मगुक्ता, विलिख, पु, वास, सथाकाव
 नित्यकर्मयोगसा, उत्तमकशयिव ॥ लफस, रुवसथा, नेसा, नित्यकर्मयोगसा, निस्कृतं ॥ ॥ ग(ध)माना, ध(ध) ॥ ३ ॥ ५
 वृकभाहनीश्चैव, ज्ञानवृष्टि, कृष्णाजिन, वायुजिनाथभादथ, सर्वसिद्धि, ककमृव ॥ ॥ ध्वनया, क्ववृलिसः
 थाकाव, नित्यकर्मयोगसा, भाहनशयीव ॥ कालसाकवृलिस, थाकाव नित्यकर्मयोगसा, ज्ञानवाधनयिव ॥

धूयाकवृलिसथाकाव, नित्यकर्मयोगसा, भादवायीव ॥ कादूसम्यसथाकाव, नित्यकर्मयोगसा, समस्त
 सिद्धिवायीव ॥ शिक्षया, शाउन, नयथागाववाधाय ॥ यूवो, वाकिस, कसद्यनिनद्धा, नयमभव ॥ सर्वधिस
 कलर्स ॥ उयासक, ग्रामणवक, यत्रक, यनिसरुक्काया, निरात्र, मकिनाल, नयदव ॥ निरात्र, विस्यलि, नय
 मभव, असाधर्मोयापावन, असानिमिस्काश, असा आगमयूजास, धनवालीकन, निरात्रकिस्यर्ना, नलसा
 यगन, नयाशाजथा, निस्कृतशर् ॥ वन्दवाकनया, गिकानथायच वाजाया, वगुल ० धकलया, यकाण

□ शुद्धया, लंखनकाय ॥ अरुंशक धाय, अऊांग, अन्न, यान, अरुंशक धाय, गालनां मनया, ककुग, खा, आदिनी
नलसा, निर्या, सायानया वाठथी, रुभा, शाउनयान, लि, धलनलस, सायानयाथी ॥ दया, धलनिनय, लिथी
शाउनया मागिर्वनकाव, धनिगथ, सकलगां धूनकाव, दूदयायानमूल्या, दूदयाया, नलकाव, भवगांनयमगव
॥ गोवलस, नयावलस, भालकांन, मगव, खायमगव, यू०नयितन, नाकांग, गयमगव, वीस, धननमदूर्य
नामगव, हलमगव, धनमालशमाल ॥ वगीयनिर्या, नयस, दक्षिणखाय, मगव, याक, वसगन, गियावन